20-03-2023

'आधारभूत पशुपालन सांख्यिकी 2022' जारी

समाचार पत्रों में क्यों?

केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री, श्री पुरुषोत्तम रूपाला ने 15 मार्च, 2023 को पशुपालन और मत्स्यपालन विभाग का वार्षिक प्रकाशन 'आधारभूत पशुपालन सांख्यिकी 2022' का अनावरण मंत्रालय के दोनों राज्य मंत्रियों, मंत्रालय के सचिव (एएचडी) और मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया।

सत्यमेव जयते
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
MINISTRY OF FISHERIES, ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING

त्वरित मुद्दा?

- यह प्रकाशन महत्वपूर्ण पशुधन आंकड़ों जैसे पशुधन आबादी, पशुधन उत्पादन, पशु रोग, अवसंरचना आदि जानकारियों के संदर्भ में पशुपालन क्षेत्र का एक संक्षिप्त अवलोकन प्रदान करता है। यह वर्ष 2021-22 के लिए चार प्रमुख पशुधन उत्पादों (एमएलपी) दूध, अंडा, मांस और ऊन के उत्पादन अनुमानों और एकीकृत नमूना सर्वेक्षण (आईएसएस) के अन्य तकनीकी पहलुओं के आंकड़ों का प्राथमिक स्रोत है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- कृषि क्षेत्र में पशुधन के योगदान में लगातार सुधार देखा जा रहा है जो देश की अर्थव्यवस्था में इसके बढ़ते महत्त्व को दर्शाता है।
- भारत में कुल दुग्ध उत्पादन वर्ष 2021-2022 में 221.06 मिलियन टन था, जिससे यह विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश बना हुआ है।
- विगत वर्ष की तुलना में उत्पादन में 5.29% की वृद्धि हुई।
- देश के कुल दुग्ध उत्पादन में स्वदेशी मवेशियों का योगदान 10.35% है, जबकि गैर-वर्णित (Non-descript) मवेशियों का योगदान

अन्य प्रमुख तथ्य?

पशुपालन

- पशुपालन से तात्पर्य पशुधन को बढ़ाने और इनके चयनात्मक प्रजनन से है। यह एक प्रकार का पशु प्रबंधन तथा देखभाल है, जिसमें लाभ के लिये पशुओं के आनुवंशिक गुणों एवं व्यवहारों को विकसित किया जाता है।
- भारत में विश्व का सबसे अधिक पशुधन है।
- भारत में 20वीं पशुधन जनगणना (20th Livestock Census) के अनुसार, देश में कुल पशुधन आबादी 535.78 मिलियन है। इस पशुधन जनगणना में वर्ष 2018 की जनगणना की तुलना में 4.6% की वृद्धि हुई है।
- उदाहरण के लिये डेयरी किसानों के विकास के साथ वर्ष 1970 में शुरू हुए ऑपरेशन फ्लड (Operation Flood) ने दूध उत्पादन और ग्रामीण लोगों की आय में वृद्धि की तथा उपभोक्ताओं के लिये एक उचित मूल्य सुनिश्चित किया।
- **संबंधित पहलें:-**
  - पशुपालन अवसंरचना विकास कोष
  - राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम
  - राष्ट्रीय गोकुल मिशन
  - राष्ट्रीय पशुधन मिशन
  - राष्ट्रीय कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम

9.82% और गैर-वर्णित भैंसों का योगदान देश के कुल दुग्ध उत्पादन में 13.49% है।

- शीर्ष पाँच प्रमुख दुग्ध उत्पादक राज्य हैं- राजस्थान (15.05%), उत्तर प्रदेश (14.93%), मध्य प्रदेश (8.06%), गुजरात (7.56%) एवं आंध्र प्रदेश (6.97%)।
- कुल अंडा उत्पादन 129.60 बिलियन है और यह पिछले वर्ष की तुलना में 6.19% अधिक है।
- शीर्ष पाँच अंडा उत्पादक राज्यों में आंध्र प्रदेश (20.41%), तमिलनाडु (16.08%), तेलंगाना (12.86%), पश्चिम बंगाल (8.84%) और कर्नाटक (6.38%) शामिल हैं तथा ये राज्य मिलकर देश में कुल अंडा उत्पादन का 64.56% योगदान करते हैं।

- देश में कुल मांस उत्पादन 9.29 मिलियन टन है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5.62% अधिक है। कुल मांस उत्पादन में पोल्ट्री क्षेत्र का योगदान लगभग 51.44% है।
- शीर्ष पाँच मांस उत्पादक राज्यों में महाराष्ट्र (12.25%), उत्तर प्रदेश (12.14%), पश्चिम बंगाल (11.63%), आंध्र प्रदेश (11.04%) और तेलंगाना (10.82%) शामिल हैं। ये राज्य देश में कुल मांस उत्पादन का 57.86% का योगदान करते हैं।
- देश में वर्ष 2021-22 के दौरान कुल ऊन उत्पादन 33.13 हज़ार टन था जिसमें पिछले वर्ष की तुलना में 10.30% की कमी देखी गई है।
- शीर्ष पाँच प्रमुख ऊन उत्पादक राज्य हैं- राजस्थान (45.91%), जम्मू-कश्मीर (23.19%), गुजरात (6.12%), महाराष्ट्र (4.78%) और हिमाचल प्रदेश (4.33%)।

निम्न तापमान थर्मल डिसेलिनेशन प्रौद्योगिकी

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ ओशन टेक्नोलॉजी (एनआईओटी) द्वारा लक्षद्वीप में चल रही जल प्रावधान परियोजना को पर्यावरण के अनुकूल बनाने हेतु निम्न तापमान थर्मल डिसेलिनेशन तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है।

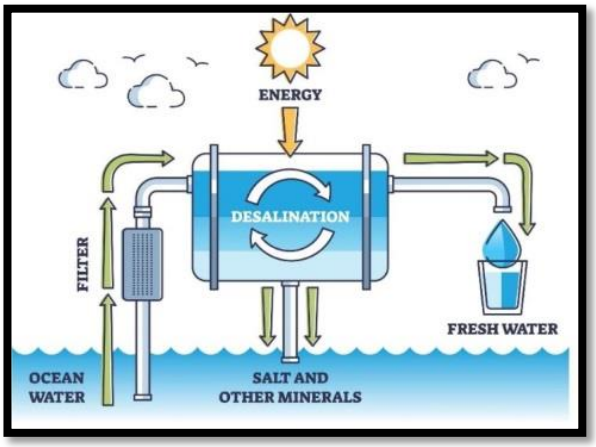

त्वरित मुद्दा?

- यह एक अलवणीकरण प्रक्रिया है, जिसमें समुद्री जल को वाष्पित करने और ताजे पानी का उत्पादन करने के लिए आमतौर पर 70 डिग्री सेल्सियस से नीचे निम्न-श्रेणी की तापीय ऊर्जा का उपयोग किया जाता है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- इस प्रौद्योगिकी को कुशल और लागत प्रभावी होने के लिए डिज़ाइन किया गया है और पीने योग्य पानी प्रदान करने के लिए दुनिया भर में विभिन्न स्थानों में इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है।
- इसके अंतर्गत समुद्री जल युक्त कक्ष को गर्म करने के लिए गर्म समुद्री जल जैसे निम्न-श्रेणी के तापीय स्रोत का उपयोग किया जाता है।
- गर्म समुद्री जल वाष्पित होकर, ताजा जल के रूप में प्राप्त हो जाता है।
- इसके बाद कम संशोधित लवणीकृत जल को पुनः वापस समुद्र में छोड़ दिया जाता है।
- इसमें निम्न-श्रेणी की तापीय ऊर्जा का उपयोग किया जाता है, जो कई स्थानों पर, विशेष रूप से तटीय क्षेत्रों में आसानी से उपलब्ध है।
- इस तकनीक से पीने के पानी, सिंचाई या औद्योगिक अनुप्रयोग आदि की उपलब्धता सुनिश्चित होगी।
- अन्य अलवणीकरण तकनीकों की तुलना में इसका अपेक्षाकृत अधिक पर्यावरणीय अनुकूल है।
- यह तकनीक अपेक्षाकृत नई है और इसकी दक्षता और प्रदर्शन को अनुकूलित करने के लिए अनुसंधान और विकास की आवश्यकता हो सकती है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

NIOT का लक्ष्य

- यह अलवणीकरण प्रक्रिया को शक्ति प्रदान करने के लिए सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके एलटीटीडी प्रौद्योगिकी को उत्सर्जन मुक्त बनाने पर काम कर रहा है।
- इसका लक्ष्य प्रौद्योगिकी के कार्बन पदचिह्न को कम करना और इसे अधिक टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल बनाना है।

ईरान सऊदी अरब समझौता

समाचार पत्रों में क्यों?

भारत में ईरान के राजदूत इराज इलाही ने शुक्रवार 17 मार्च को कहा कि राजनयिक संबंधों को फिर से बहाल करने के लिए ईरान और सऊदी अरब के बीच चीन की मध्यस्थता वाला सौदा भारत के लिए चिंता का विषय नहीं होना चाहिए।

त्वरित मुद्दा?

- मध्यपूर्व में दशकों से दुश्मन रहे सऊदी अरब और ईरान ने हाल ही में राजनयिक संबंध बहाल करने की घोषणा की है। इसके लिए चीन में दोनों देशों के प्रतिनिधियों ने चार दिनों तक वार्ताएं की थी।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- दोनों ने दो महीने के अंदर दूतावास खोलने और एक दूसरे की संप्रभुता का सम्मान करने और आंतरिक मामलों में दखल ना देने को लेकर सहमति जताई है।

- दोनों देशों ने आपसी संप्रभुता का सम्मान करने और आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप न करने की भी शपथ ली।
- वे वर्ष 2001 के सुरक्षा सहयोग समझौते के साथ-साथ वर्ष 1998 में हस्ताक्षरित एक सामान्यअर्थव्यवस्था, व्यापार और निवेश समझौते को सक्रिय करने पर भी सहमत हुए।
- पश्चिम एशिया में सऊदी अरब ने लंबे समय से खुद को दुनिया के अग्रणी सुन्नी राष्ट्र के रूप में चित्रित किया है, जबकि ईरान ने खुद को इस्लाम के शिया अल्पसंख्यक के रक्षक के रूप में प्रदर्शित किया है।
- सऊदी अरब और ईरान जैसे दो शक्तिशाली पड़ोसी क्षेत्रीय प्रभुत्त्व हेतु संघर्षशील हैं। दोनों ही देश परोक्ष रूप से एक दूसरे पर हमले करते रहे हैं।
- ईरानी राजदूत इराज इलाही ने कहा कि यह समझौता क्षेत्रीय स्थिरता प्रदान करेगा और भारतीय हितों के लिए भी फायदेमंद होगा।
- जानकारों की मानें तो फिलहाल भारत के लिए स्थितियां थोड़ी अनुकूल दिख रही हैं क्योंकि भारत के दो दोस्त जो पहले आपसी दुश्मन थे, अब दोस्त बन रहे हैं ऐसे में भारत की दुविधा कुछ कम हो सकती है।
- ईरान के परमाणु कार्यक्रम के चलते अमेरिकी दबाव के चलते ईरान भारत से दूर होता जा रहा था और चीन के पाले में जा रहा था ऐसे में ईरान सउदी समझौता भारत को पुनः इस क्षेत्र में चीन के बढ़ते दखल को रोकने में सहायक होगा।

इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट

समाचार पत्रों में क्यों?

यूक्रेनी बच्चों को निर्वासित करने सहित युद्ध अपराधों के लिए अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय (ICC) ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है।

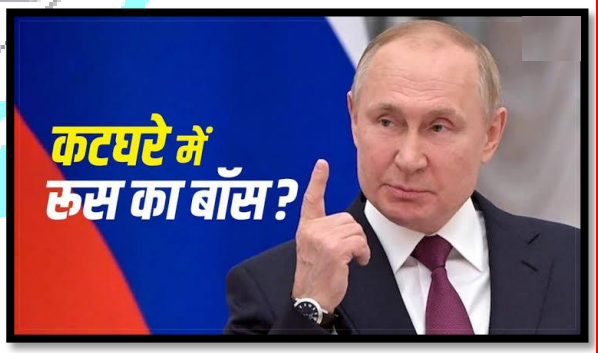

त्वरित मुद्दा?

- कोर्ट ने पुतिन पर वॉर क्राइम जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। साथ ही रूसी राष्ट्रपति पर यूक्रेनी बच्चों को अवैध तरीके से जबरन रूस ले जाने का भी आरोप लगा है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- अपराध 24 फरवरी 2022 से जब रूस ने यूक्रेन में पूरी तरह से घुसपैठ शुरू कर दी तब किए गए हैं। हालांकि मॉस्को ने घुसपैठ सहित सभी वॉर क्राइम के आरोपों को खारिज किया है।
- अदालत ने यह भी कहा कि रूसी राष्ट्रपति बच्चों को निर्वासित करने वाले अन्य लोगों को रोकने के लिए अपने अधिकारों का प्रयोग करने में विफल रहे।
- हालांकि ICC के पास संदिग्धों को गिरफ्तार करने की कोई शक्ति नहीं है, और केवल उन देशों के भीतर अधिकार क्षेत्र का उपयोग कर सकता है, जिन्होंने अदालत की स्थापना करने वाले समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। रूस ने उस समझौते पर हस्ताक्षर नहीं किया है। ऐसे में पुतिन की गिरफ्तारी नहीं हो सकती।

- ICC एक स्थायी न्यायाधिकरण है, जिसमें जनसंहार, मानवता के खिलाफ अपराध, युद्ध अपराधों और आक्रमण का अपराध के लिए अपराधियों के खिलाफ मुकदमा चलाया जाता है।
- रोम संविधि (The Rome Statute)- संयुक्त राष्ट्र महासभा ने संधि को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से जून, 1998 में रोम में एक सम्मेलन बुलाया। 17 जुलाई, 1998 को 120 देशों द्वारा रोम संविधि को अपनाया गया था। 11 अप्रैल, 2002 को रोम संविधि एक बाध्यकारी संधि बनी, जब 60 देशों ने इसे मंजूरी दी। कानूनी तौर पर 1 जुलाई, 2002 को संविधि को लागू किया गया और आईसीसी केवल उस तिथि के बाद हुए अपराधों पर ही मुकदमा चला सकती है।
- यह अदालत 1 जुलाई, 2002 को अस्तित्व में आई। यह केवल अपनी स्थापना या उस तिथि से बाद के दिनों में किए गए अपराधों पर मुकदमा चला सकती है। अदालत की आधिकारिक बैठक द हेग, नीदरलैंड में होती हैं, लेकिन इसकी कार्रवाई कहीं भी हो सकती है।
- भारत रोम संविधि का पक्षकार देश नहीं है।

अन्य प्रमुख तथ्य?

ग्रेट रिफ्ट वैली

- द ग्रेट रिफ्ट वैली एक विशाल भूवैज्ञानिक संरचना है जो उत्तरी सीरिया से लेकर पूर्वी अफ्रीका के मध्य मोज़ाम्बिक तक लगभग 6,400 किलोमीटर तक विस्तृत है।
- जॉर्डन नदी इस घाटी से निकलती है और अंततः इज़रायल तथा जॉर्डन के बीच की सीमा पर मृत सागर में मिल जाती है।
- अदन की खाड़ी दरार की पूर्व की ओर निरंतरता में है और इस बिंदु से दरार दक्षिण-पूर्व की ओर हिंद महासागर के मध्य-महासागरीय रिज के हिस्से के रूप में फैली हुई है।
- पूर्वी अफ्रीका में घाटी पूर्वी दरार और पश्चिमी दरार में विभाजित होती है। पश्चिमी दरार, जिसे अल्बर्टीन दरार के रूप में भी जाना जाता है, में दुनिया की कुछ सबसे गहरी झीलें हैं।

वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (FATF)

समाचार पत्रों में क्यों?

हाल ही में रूस के अवैध और बिना उकसावे वाले सैन्य हमले के लिए FATF ने रूस की सदस्यता निलंबित कर दी है।

त्वरित मुद्दा?

- अंतर-सरकारी निकाय के रूप में FATF अंतरराष्ट्रीय मानकों को निर्धारित करता है जिसका उद्देश्य इन अवैध गतिविधियों और समाज को होने वाले नुकसान को रोकना है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि?

- फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (FATF) वैश्विक मनी लॉन्डिंग और आतंकवादी वित्तपोषण पर नजर रखने वाली संस्था (वाचडॉग) है।
- यह अंतरराष्ट्रीय मानकों को निर्धारित करता है जिसका उद्देश्य इन अवैध गतिविधियों और समाज को होने वाले नुकसान को रोकना है।
- एक नीति-निर्माण निकाय के रूप में, FATF इन क्षेत्रों में राष्ट्रीय विधायी और नियामक सुधार लाने के लिए आवश्यक राजनीतिक इच्छाशक्ति उत्पन्न करने के लिए काम करता है।

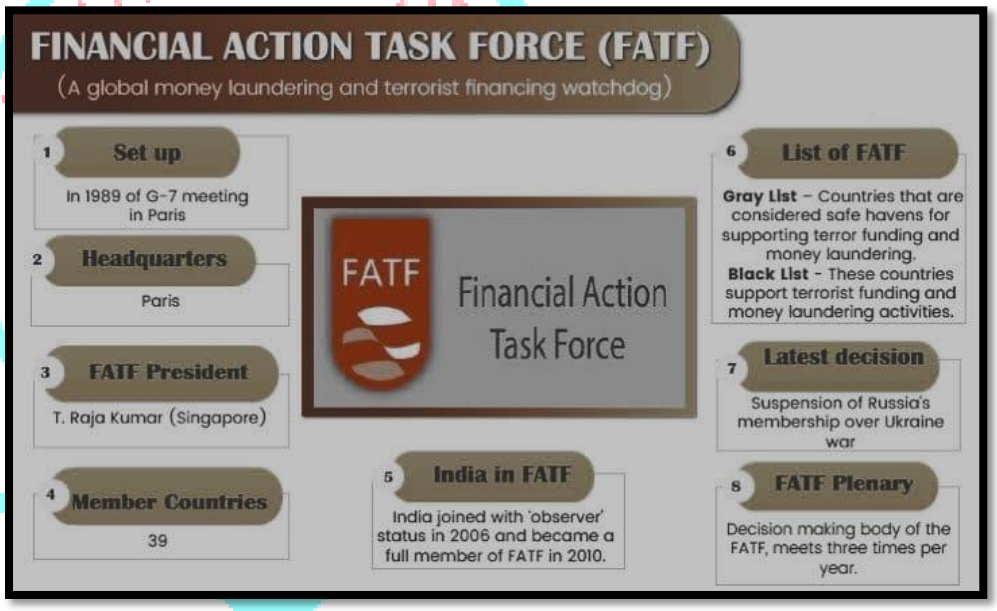

- 39- सदस्यीय निकाय अंतरराष्ट्रीय मानकों को निर्धारित करता है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राष्ट्रीय अधिकारी प्रभावी रूप से मादक पदार्थों की तस्करी, अवैध हथियारों के व्यापार, साइबर अपराधों से जुड़े अवैध धन के खिलाफ जा सकते हैं।
- वर्तमान में 200 से अधिक देशों और क्षेत्राधिकारों ने संगठित अपराध, भ्रष्टाचार और आतंकवाद को रोकने के लिए एक समन्वित वैश्विक प्रतिक्रिया के हिस्से के रूप में FATF के मानकों को लागू करने के लिए प्रतिबद्ध किया है।
- G 7 देशों द्वारा FATF की स्थापना 1989 में थी और इसका सचिवालय पेरिस में OECD कार्यालय में स्थित है। इसके 39 सदस्यों में से दो क्षेत्रीय संगठन हैं: यूरोपीय आयोग, और खाड़ी सहयोग परिषद।
- एफएटीएफ प्लेनरी (FATF Plenary) FATF की निर्णय लेने वाली संस्था है। प्रतिवर्ष तीन बार इसके सत्र का आयोजन किया जाता है।
- भारत वर्ष 2006 में 'पर्यवेक्षक' देशों की सूची में शामिल हुआ और वर्ष 2010 में FATF का पूर्ण सदस्य बन गया।